Result Mitra Daily Magazine

REAIM सम्मेलन

✓ हालिया संदर्भ :

- हाल ही में दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल मे कृत्रिम बुद्धिमता (AI) के सैन्य क्षेत्र में उपयोग संबंधी मुद्दे पर एक शिखर सम्मेलन आयोजित की गई।

✓ REAIM :

- यह शिखर सम्मेलन को 'सैन्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमता के जिम्मेदार उपयोग' यानि REAIM नाम दिया गया है।
- यह शिखर सम्मेलन AI के सैन्य अनुप्रयोगों पर वैश्विक मानदंडों को नए आकार देने के लिये वैश्विक कूटनीति का एक अहम हिस्सा है।
- इस सम्मेलन की मेजबानी नीदरलैंड, केन्या, सिंगापुर एवं यूनाइटेड किंगडम द्वार की जा रही है।
- इस सम्मेलन में दुनिया भर के अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, प्रौद्योगिकी कंपनियों, शिक्षाविदों एवं सामान्य नागरिक संगठनों ने दिलचस्पी दिखाई।
- यह शिखर सम्मेललन REAIM का दूसरा संस्करण है।

✓ द हेग सम्मेलन :

- इस प्रकार का महला वैश्विक शिखर सम्मेलन फरवरी 2023 में नीदरलैंड में संपन्न हुआ था, जिसकी मेजबानी नीदरलैंड द्वारा किया गया था।
- इस सम्मेलन में चीन एवं USA सहित कई देशों ने सहभागिता की थी, लेकिन भारत इसका भागीदार नहीं था।

✓ कॉल ऑन एक्शन :

- USA द्वारा सैन्य क्षेत्र में AI के जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए एक घोषणा का प्रस्ताव दिया गया, जिसमें मानवीय जिम्मेदारी को शामिल करने की मांग की गई।
- इस घोषणा-पत्र पर USA एवं चीन सहित (भारत नहीं) 60 से ज्यादा देशों ने हस्ताक्षर किए।

✓ LAWS :

- हालिया समय में सैन्य AI पर बहस स्वायत्त हथियारों एवं Killer Robots पर आधारित था।
- ऐसी संभावना है कि युद्ध का संचालन कम्प्यूटर एवं एल्गोरिदम द्वारा किया जा सकता है, इन हथियारों को नियंत्रित करने के लिये मानदंडों के निर्धारण की मांग उठने लगी है।
- 2019 में इसी संबंध में जिनेवा में घातक स्वायत्त हथियार प्रणालियों (LAWS) के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गई थी।
- दिसंबर 2023 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने LAWS के मुद्दे को उठाया एवं सदस्य देशों से इससे संबंधित नैतिक, कानूनी एवं परिचालन संबंधी चुनौतियों के बारे में रिपोर्ट करने का आह्वान किया।

✓ USA का नेतृत्व :

- USA ने 2020 में अमेरिकी सशस्त्र बलों द्वारा AI के जिम्मेदार उपयोग के लिये राष्ट्रीय दिशा-निर्देश जारी किये गये थे।
- USA ने अपने NATO सहयोगियों को भी इसी तरह के मानदंडों को अपनाने के लिये प्रोत्साहित किया है।
- 2021 में NATO ने AI के सैन्य क्षेत्र में जिम्मेदार उपयोग के लिये 6 सिद्धांतों की पहचान की एवं जुलाई 2024 में अपने सैन्य बलों के लिये दिशा-निर्देश भी जारी किए।
- इसका उद्देश्य सैन्य क्षेत्र में सुरक्षित एवं जिम्मेदार तरीके से AI के उपयोग को बढाना है।
- इसके अलावा USA, AI के जिम्मेदार उपयोग पर चीन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी कर रहा है। यह वार्ता विशेष रूप से परमाणु हथियारों पर इसके संभावित प्रभावों पर केन्द्रित है।
- USA ने 2024 की शुरूआत में UNGA में AI के जिम्मेदार उपयोग पर एक प्रस्ताव पेश किया, जिसे 123 देशों ने सर्वसम्मति से अपनाया।

✓ भारत की स्थिति :

- भारत ने द हेग शिखर सम्मेलन का समर्थन नहीं किया था लेकिन भारत इतने महत्वपूर्ण वैश्विक बहस में निष्क्रिय दर्शक बनकर नहीं रह सकता है क्योंकि यह जोखिम भरा हो सकता है और यह बात इसलिये भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि भारत परमाणु हथियार नियंत्रण के मामले में कडवा अनुभव प्राप्त कर चुका है।
- चीन AI के सैन्य एवं रणनीतिक उपयोग पर लगातार आगे रह रहा है, जो भारत को सक्रियता से इस वैश्विक मुद्दे में भागीदार बनने के लिये प्रेरित कर सकता है।
- वास्तव में भारत नागरिक क्षेत्र में AI के विकास एवं सक्रिय रूप से जिम्मेदार उपयोग की दिशा में आगे बढ रहा है लेकिन सैन्य उपयोग के मामले में वैश्विक स्थिति के विपरीत खडा है किन्तु वैश्विक स्थिति एवं भविष्य में AI के सैन्य उपयोग की बढी हुई संभावना को देखते हुए भारत को इससे दूर रहने के बजाय इस प्रक्रिया को आकार देने में भूमिका निभानी चाहिये।

✓ AI का सैन्य प्रयोग क्षेत्र :

- साइबर सुरक्षा,
- स्वचालित युद्धक वाहन एवं हथियार,
- लॉजिस्टिक प्रबंधन एवं आपूर्ति श्रृंखला
- बेहतर निगरानी
- हमलावर सक्षमता एवं सटीकता में वृद्धि
- मानव बल का न्यूनतम हस्तक्षेप
- Killer Robots का इस्तेमाल
- हथियार प्रणालियों में प्रयोग
- ड्रोन, लडाकू वाहनों में AI का प्रयोग

Result Mitra